

कबड्डी में भारत का जलजला



पुष्पा राणा की कप्तानी में महिला कबड्डी टीम ने जीता ऐतिहासिक गोल्ड मेडल

नागोया, 26 सितंबर एशियन गेम्स 2026 में भारत को एक और गोल्ड मेडल मिला है। यह मेडल महिला कबड्डी टीम ने दिलाया है। एशियन गेम्स में यह भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है। भारत ने ईरान को 37-34 के अंतर से मात दी।

भारत ने इस मैच में पहले हाफ में ही 22-16 की बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद ईरान की टीम ने दूसरे हाफ में वापसी की भरपूर कोशिश की। एक समय स्कोर 27-26 तक पहुंच गया था, लेकिन भारत की बेटियों ने लीड नहीं जाने दी और दमदार वापसी करते हुए देश के लिए स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल मैच में संजू देवी ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने शानदार रेड कर भारत को जीत दिलाई।

भारत को शुरुआत से ही गोल्ड मेडल जीतने का दावेदार माना जा रहा था। टीम इंडिया ने अब तक अजेय रहते हुए सभी मैच

महिला कबड्डी टीम

पुष्पा राणा (कप्तान), रितु नेगी, ज्योति ठाकुर, पुजा हथवाला, सोनाली विष्णु शिंगट, मनीषा कुमारी, पिंकी रॉय, रितु श्योराण, भावना देवी ठाकुर, निकिता, राज रानी और संजू देवी।

जीते थे। इसके बाद टीम की कोच ने कहा था कि कबड्डी हमारा खेल है। यह भारत में ही शुरू हुआ और इसमें हमें कोई नहीं हरा सकता है। अब टीम इंडिया ने गोल्ड जीतकर अपने कोच के दावे को सही साबित किया है। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय टीम बिना कोई भी मैच हारे चैंपियन बनी है। टीम इंडिया ने अपने तीनों ग्रुप मुकाबले जीते फिर सेमीफाइनल और फाइनल में शानदार जीत हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

पुरुषों ने भी फाइनल में ईरान को पटका



एशियन गेम्स 2026 के फाइनल मुकाबले में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने इतिहास रचते हुए एक बार फिर से गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। खिताबी मुकाबले में भारत का सामना हमेशा की तरह मजबूत मानी जाने वाली ईरान की टीम से था।

मुकाबला इतना रोमांचक और सांस रोक देने वाला था कि आखिरी पलों तक हर किसी की धड़कनें तेज थीं, लेकिन अंत में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी सूझबूझ और ताकत के दम पर बाजी पलट दी। भारत ने यह मुकाबला 40-34 के अंतर से जीतकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। ईरान के खिलाड़ियों ने भारतीय डिफेंस पर शुरुआत में दबाव बनाया और पहला हाफ खत्म होने तक ईरान 18-17 से मामूली

बढ़त पर था। ऐसा लगा कि मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है, क्योंकि दोनों तरफ के खिलाड़ी एक-एक पॉइंट के लिए पूरी ताकत झोंक रहे थे।

जैसे ही खेल का दूसरा हाफ शुरू हुआ, भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी रणनीति बदली। कप्तान सुनील कुमार के नेतृत्व में टीम ने शानदार वापसी की। अर्जुन देशवाल, असलम इनामदार और बाकी रेडर्स ने समझदारी से खेलते हुए ईरानी डिफेंस को तोड़ना शुरू किया। मैच के आखिरी कुछ मिनटों में भारतीय डिफेंस ने गजब का प्रदर्शन करते हुए ईरान को 'ऑल आउट' कर दिया, जिससे भारत को एक सुरक्षित बढ़त मिल गई। इसी दिन महिला कबड्डी टीम ने भी ईरान को हराकर देश के लिए गोल्ड मेडल जीता था और अब पुरुष टीम ने भी वही कमाल दोहराकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

44 साल बाद आया मेडल... सावन बारवाल ने रचा इतिहास!

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय धावक सावन बारवाल ने इतिहास रच दिया है। सावन ने पुरुषों की मैराथन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत का एशियन गेम्स की मैराथन स्पर्धा में मेडल का 44 साल का लंबा इंतजार खत्म हो गया है।

सावन ने ना सिर्फ सिल्वर मेडल जीता, बल्कि 2:11:37 का समय निकालकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी कायम किया। रंस का स्वर्ण पदक जापान के यामाशिता ने जीता।

कौन है सावन बारवाल: हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के रहने वाले सावन बारवाल भारतीय सेना के एथलीट हैं। एशियन गेम्स 2026 में 2:11:37 का समय निकालकर रजत पदक जीतने वाले सावन ने इससे पहले इसी साल अप्रैल में रोट्टरडैम की प्रतिष्ठित ह्वे मैराथन में 48 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर सनसनी मचा दी थी। साल 2023 में आयोजित 'एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप' में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाले सावन अब लंबी दूरी की दौड़ में देश के सबसे भरोसेमंद एथलीट बनकर उभरे हैं।



रेस में सावन बारवाल का शानदार प्रदर्शन

- शुरुआती बढ़त (10 किमी से 21 किमी): सावन शुरुआती 10 किलोमीटर के बाद से ही रेस के फ्रंट रनर्स में बने रहे। 21 किलोमीटर का हाफ-मैराथन मार्क पूरा करते ही (1:05:54 का समय) वह रेस में पहले स्थान पर आ गए।
- टॉप-3 में मुकाबला (30 किमी से 35 किमी): रेस जैसे-जैसे आगे बढ़ी, जापान के यामाशिता, चीन के हान और भारत के सावन बारवाल के बीच मुख्य मुकाबला देखने को मिला।
- 36 किमी पर निर्णायक मोड़: 36 किलोमीटर के मार्क पर जापान के यामाशिता ने 20 से 30 मीटर की बढ़त बना ली। हालांकि, सावन ने धैर्य बनाए रखा और मजबूती से दूसरे स्थान पर टिके रहे।
- फिनिश लाइन: सावन ने अपनी गति बरकरार रखी और दूसरा स्थान हासिल करते हुए भारत के लिए ऐतिहासिक सिल्वर मेडल पक्का किया।
- इस स्पर्धा में हिस्सा ले रहे दूसरे भारतीय धावक कार्तिक करकारा शुरुआती चरण में आगे रहने के बाद पिछड़ गए और 19 धावकों के बीच 17वें स्थान पर रहे।

एशियन गेम्स 2026 में आज ये है भारत के बड़े मुकाबले

कबड्डी में गोल्ड मेडल का मुकाबला: भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों गोल्ड मेडल मैच में ईरान से भिड़ेंगी। भारतीय पुरुष टीम अपने 9वें गोल्ड और महिला टीम चौथे खिताब की तलाश में मैदान में उतरेगी। बैडमिंटन में पीवी सिंधु की शुरुआत: दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बैडमिंटन महिला सिंगल्स में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी, जहां उनसे भारत की अगुवाई करने और मेडल दिलाने की बड़ी उम्मीदें हैं।

महिला 50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन में भारत को रजत



एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। तिलोत्तमा सेन, विदरसा के

विनोद और आशी चौकसे की भारतीय तिकड़ी ने कुल 1,763 अंक हासिल किए। साथ तीसरा और विदरसा ने 588 अंक के साथ छठा स्थान हासिल कर व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई। तिलोत्तमा ने घुटने टेककर 197, लेटकर 198 और खड़े होकर 97 व 98 अंक हासिल किए। वहीं, शुरुआत में 193 अंक के कारण पीछे रहने वाली विदरसा ने लेटकर 199 और खड़े होकर लगातार 98 अंक जुटाकर शानदार वापसी की। आशी 585 अंक के साथ 15वें स्थान पर रही और व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। अब व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा और विदरसा पर भारत को एक और निशानेबाजी पदक दिलाने की जिम्मेदारी होगी। फाइनल भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे शुरू होगा।

आइची-नागोया, 26 सितंबर. हरमनप्रोत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को एशियाई खेलों में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। आज यहां खेले गये क्वार्टर फाइनल में भारत की ओर से अभिषेक और हरमनप्रोत सिंह ने गोल किये। यह मैच इस ग्रुप का सबसे मुश्किल मुकाबला माना जा रहा था। लेकिन भारत ने जापान के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की। डिफेंडिंग चैंपियन भारत सोमवार को पूल ए के अपने आखिरी मुकाबले में बंगलादेश का सामना करेगा। भारत की नजर लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने और पूल चरण का अभियान अजेय रिकॉर्ड के साथ खत्म करने पर होगी। मौजूदा स्थिति के अनुसार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा।



हॉकी में भारत ने जापान को हरा सेमीफाइनल में बनाई जगह

आइची-नागोया, 26 सितंबर. हरमनप्रोत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को एशियाई खेलों में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। आज यहां खेले गये क्वार्टर फाइनल में भारत की ओर से अभिषेक और हरमनप्रोत सिंह ने गोल किये। यह मैच इस ग्रुप का सबसे मुश्किल मुकाबला माना जा रहा था। लेकिन भारत ने जापान के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की। डिफेंडिंग चैंपियन भारत सोमवार को पूल ए के अपने आखिरी मुकाबले में बंगलादेश का सामना करेगा। भारत की नजर लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने और पूल चरण का अभियान अजेय रिकॉर्ड के साथ खत्म करने पर होगी। मौजूदा स्थिति के अनुसार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा।

जोशना-वेलान ने जीता कांस्य स्कैश में अनाहत-अभय 'गोल्ड' से एक कदम दूर

नागोया एशियाई खेलों में भारतीय स्क्वैश खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने मिश्रित युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग चीन की ली का यी और तांग मिंग हांग के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। तीनों गेम में कांटे की टक्कर रही और मुकाबला 11-10, 2-11, 11-10 से खत्म हुआ। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों जोड़ियों को कांस्य पदक दिया गया। यह 40 वर्षीय जोशना का एशियाई खेलों में छठा पदक है, जबकि 28 वर्षीय वेलवन का यह इन खेलों में पहला पदक है। दूसरी ओर, भारत के लिए स्वर्ण की उम्मीदें अनाहत सिंह और अभय सिंह ने बढ़ा दी हैं।

अनाहत ने शानदार वापसी करते हुए जापान की छठी वरीय सतोमी वतानाबे को 3-2 से हराकर महिला एकल फाइनल में जगह बनाई। वहीं अभय ने पाकिस्तान के मुहम्मद अशब इरफान को सीधे गेम्स में 3-0 से हराकर पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों का कम से कम रजत पदक पक्का हो गया है। अब उनकी नजरें स्वर्ण पदक पर हैं। एशियाई खेलों के एकल वर्ग के चैंपियन को निर्धारित योग्यता शर्तें पूरी करने पर 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए कोटा भी मिलेगा।

तेजिंदरपाल सिंह तूर ने शॉट पुट में रजत पदक जीता

आइची नागोया, 26 सितंबर भारत के तेजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट इवेंट में 20.64 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सिल्वर मेडल जीता। वे ईरान के मोहम्मदरेजा तयेबिसे से पीछे रहे, जिन्होंने 20.81 मीटर का एशियाई खेलों का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले के दो एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने के बाद, अब उनके

नाम एशियाई खेलों का तीसरा मेडल हो गया है। उनके साथी खिलाड़ी करणवीर सिंह तीन राउंड के बाद बाहर हो गए; वे 18.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ श्रो के साथ 10वें स्थान पर रहे।

हाई जंप के बाद तेजस्विन शंकर सबसे आगे: तेजस्विन शंकर ने हाई जंप में 2.18 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 973 अंक हासिल किए और चार इवेंट्स के बाद डेकाथलॉन में पहले स्थान

पर पहुंच गए। तेजस्विन के कुल 3457 अंक हैं और वे दूसरे स्थान पर मौजूद एथलीट से 165 अंक आगे हैं। उनके साथी खिलाड़ी तौफीक नौशाद 2986 अंकों के साथ स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर हैं।

हरिता भद्रा और उन्नति अयप्पा बोलैंड महिला 200 मीटर फाइनल में: हरिता भद्रा ने अपनी हीट में 23.31 सेकेंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल करते हुए महिला 200 मीटर के फाइनल में

जगह बनाई। वह ओवरऑल चौथे स्थान पर रहीं। उन्नति अयप्पा बोलैंड ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने अपनी हीट में तीसरा स्थान हासिल किया और 23.33 सेकेंड का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया।



भारत में क्रिकेट मैचों के लिए नया टाइटल स्पॉन्सर

नवभारत न्यूज नेटवर्क मुंबई, 26 सितंबर बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने मुथूट फिनकोर्प लिमिटेड को भारत में होने वाले क्रिकेट मैचों के लिए टाइटल स्पॉन्सर घोषित किया है। यह साझेदारी मार्च 2028 तक चलेगी।

इस टाइटल स्पॉन्सरशिप में भारत में खेले जाने वाले सभी इंटरनेशनल सीरीज और टूर्नामेंट के साथ-साथ बोर्ड द्वारा आयोजित सभी घरेलू टूर्नामेंट भी शामिल होंगे। यह साझेदारी मुथूट फिनकोर्प की पूरे भारत में मजबूत मौजूदगी और भारतीय क्रिकेट की देशव्यापी पहुँच को एक साथ

लाती है। मुथूट फिनकोर्प का खास नीला रंग, भारतीय क्रिकेट की 'मेन इन ब्लू' और 'विमेन इन ब्लू' टीमों के साथ एक स्वाभाविक विजुअल जुड़ाव भी बनाता है। यह पार्टनरशिप मुथूट फिनकोर्प को भारत की नेशनल टीमों और अहम घरेलू प्रतियोगिताओं के जरिए देश भर के क्रिकेट दर्शकों से जुड़ने का मौका देगी। इस साझेदारी की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्ट इंडीज के खिलाफ भारत के पहले वनडे मैच से होगी।

उनादकट के पंजे से ससेक्स मजबूत | हैपशायर को 128 रन पर समेटा, ससेक्स की बढ़त 332 रन

काउंटी में भारतीय गेंदबाजों का जलवा

लंदन , 26 सितंबर काउंटी क्रिकेट में भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। जयदेव उनादकट ने अपने अनुभव और सटीक गेंदबाजी का परिचय देते हुए हैपशायर के खिलाफ ससेक्स की पहली पारी में पांच विकेट झटककर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

उनादकट ने 32 रन देकर पांच विकेट लिए और हैपशायर की पहली पारी महज 128 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही ससेक्स को पहली पारी में 116 रन की बढ़त मिली। ससेक्स ने पहली पारी में 244 रन

उनादकट ने पहले दिन निक गर्बिस और टॉम अल्वर्ट को आउट कर हैमशायर की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। दूसरे दिन उन्होंने नाइटवॉचर एंडी जैक, जेम्स फुलर और काइल एबट को पवेलियन भेजकर अपना पंजा पूरा किया। दूसरी ओर, नॉर्थटनशायर के लिए खेल रहे जुवेवेंडर वल ने मिडिलसेक्स के निचले क्रम के दो बल्लेबाजों को आउट किया। ग्लोस्टरशायर की ओर से साई किशोर ने केंट के खिलाफ दो विकेट लिए। वहीं वारविकशायर के मानव सुथार को लीस्टरशायर के खिलाफ केवल दो ओवर गेंदबाजी का मौका मिला और उन्होंने बल्लेबाजी में 19 रन बनाए। ससेक्स अब तीसरे दिन ही मैच अपने नाम करने की स्थिति में है।

बनाए थे। इसके बाद दूसरी पारी में भी टीम ने आक्रामक शुरुआत की और दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट पर 216 रन बना लिए। टॉम हेंस 99 रन बनाकर नाबाद हैं और ससेक्स की कुल बढ़त 332 रन हो चुकी है। हेंस के पास अगले दिन अपना इस सत्र का पहला शतक पूरा करने का मौका होगा। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का 16वां शतक होगा।

विश्व कप 2027 मेरी अंतिम चैंपियनशिप होगी : विराट

नवभारत न्यूज नेटवर्क तिरुवनंतपुरम, 26 सितंबर भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली ने पुष्टि की है कि दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप उनका आखिरी विश्व कप होगा। कोहली ने एक साक्षात्कार में जियो स्टार को बताया, 'मेरे लिए, यह आखिरी विश्व कप है जिसमें मैं भारत के लिए खेलने जा रहा हूँ और यही मेरी प्रेरणा है। और हाँ, लक्ष्य पूरी तरह से विश्व कप जीतना है।चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े, मैं बिल्कुल तैयार हूँ'।

कोहली, जो इस प्रारूप में केवल 15,000 रनों से पीछे हैं, ने भारत के लिए चार एकदिवसीय विश्व कप में भाग लिया है, जो 2011 में विजेता के रूप में समाप्त हुआ। टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले इस शतक और 79 अर्द्धशतक दिग्गज खिलाड़ी की नजरें टिकी हुई हैं 50 ओवर के

विश्व कप पर. उन्होंने कहा, '50 ओवर के विश्व कप की तीव्रता किसी भी चीज़ से अधिक है। क्योंकि अब, यह लगभग 10 गेम है तीव्रता के टी20 स्तर पर. लेकिन आप एक दिन में 2.5 टी20 मैच खेल रहे हैं'। कोहली ने कहा, 'और एक बड़े टूर्नामेंट और विश्व कप में 10 मैचों तक उस तीव्रता को बनाए रखना बहुत बड़ी बात है। अब भी, यह विदेशी परिस्थितियों में है. यह आपसे बहुत कुछ छीन लेता है.' कोहली विश्व कप इतिहास के सबसे बल्लेबाजों में से एक रहे हैं. उन्होंने विश्व कप में 37 एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें 59.83 की औसत से 1,795 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 12 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 117 रहा है. अपने समग्र वनडे करियर में उन्होंने 302 पारियों में 58.59 की औसत से 54 शतक और 79 अर्द्धशतक के साथ 14,941 रन बनाए हैं.